विषय – हिन्दी, कक्षा –आठवीं
अधिन्यास –3 (तत्सम और तद्भव)

तत्सम शब्द

तत्सम दो शब्दों से मिलकर बना है – तत +सम , जिसका अर्थ होता है ज्यों का त्यों या उसके समान (संस्कृत के समान)। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन के ले लिया जाता है उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। इनमें ध्वनि परिवर्तन नहीं होता है।
जैसे :- सूर्य, वायु, अग्नि, गृह आदि।

तद्भव शब्द :

समय और परिस्थिति की वजह से तत्सम शब्दों में जो परिवर्तन हुए हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। तद्भव शब्द तत्सम शब्दों का परिवर्तित रूप है | जैसे- काम , गाँव, सूरज , मोर आदि

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम :-

(1) तत्सम शब्दों के पीछे ' क्ष ' वर्ण का प्रयोग होता है| अधिकांश 'क्ष' वर्ण वाले शब्द तत्सम शब्दों के श्रेणी में आते हैं| जैसे – अक्षि |
(2) तत्सम शब्दों में ' श्र ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है। श्रम , परिश्रम, |
(3) तत्सम शब्दों में ' श ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' स ' का प्रयोग हो जाता है। जैसे – अशीति
(4) तत्सम शब्दों में ' ष ' वर्ण का प्रयोग होता है। ओष्ठ , कृषक |
(5) तत्सम शब्दों में ' ऋ ' की मात्रा का प्रयोग होता है। जैसे- कृषि, सृष्टि |
(6) तत्सम शब्दों में ' व ' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ' ब ' का प्रयोग होता है। वानर (बन्दर), वर्षा (बरसात)

प्र.1 निम्नलिखित शब्दों को तत्सम और तद्भव शब्दों में वर्गीकृत कीजिए |

कर्ण, नासिका, दुःख, दुख , आँख , पत्र , आलस, सूरज, अक्षि, दधि, क्षितिज, नाक, घी, खेत, मक्षिका, उच्च , पेड़ , मिट्टी ,उल्लू मक्खी, पत्ता, सूर्य, आलस्य, क्षेत्र, वृक्ष, आश्रय , ऊँचा , उल्लूक |

प्र.2- निम्नलिखित तद्भव शब्दों का तत्सम रूप लिखिए |

सूरज----------, दही ----------
आँसू ---------- आँख ----------
तिनका ---------- पत्ता ----------
किसान ---------- ऊँट ----------

प्र.3- निम्नलिखित तत्सम शब्दों का तद्भव रूप लिखिए |

मयूर ---------- जिह्वा ----------
उल्लूक ---------- नासिका ----------
कार्य ---------- आश्चर्य ----------
कर्ण ---------- ग्राम ----------